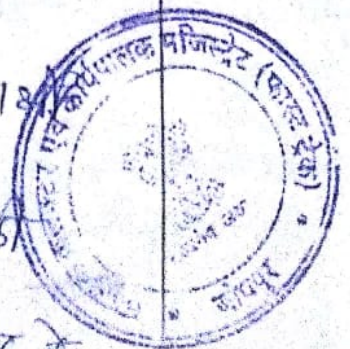


21/01/2018 पत्रावली पेश। अधीन वकील द्वारा धारा 151 CPC

10

के अन्तर्गत जवाब दिया गया। वरुदा में आज बिना  
गाजर अधीन वकील द्वारा इम्त 151 प्रावनापत्र  
इस स्थिति में व स्ट्रेज में maintainable नहीं है।  
पत्रावली का अवलोकन किया गया। अधीन का  
क्या है कि वह पार्टी की प्रावना वाले क्लर  
न. 70 में खरीद हुए भूखण्डों में किसी भी प्रकार  
के हस्तक्षेप से सहमत है। पत्रावली के अवलोकन  
पश्चात पार्टी का प्रावनापत्र इस स्ट्रेज पर  
द्वारा 151 CPC का खारिज किया जाता है।  
पत्रावली वाले पर अधीन वकील द्वारा मूल  
प्रावनापत्र पर भी वरुदा ही गई। पत्रावली  
वाले आदेश 25/01/17 को पेश है।

25/01/18 पत्रावली पेश। पत्रावली पर पार्टी व अधीन  
गण द्वारा मूल प्रावना पत्र पर वरुदा ही  
जा चुकी है। पार्टी की प्रावना है कि वाद के



2. खेतीक इत हाशय की अस्थाई नियंताजा जारी की  
 कि खतम न-70 रुका 8.07 बीघा भोजा गण  
 नगर योजना बनाइ जोहपुर में पार्थीगणो के  
 खरीदसुदा भूखण्डो पर व उजापुदा भूखण्डो से  
 विधिविरुद्ध तरीके से बेखल न किया जावे व  
 भूखण्डो का प्रिभगि, बेचान व हस्तान्तरण नउरे  
 पत्रावली का अवलोकन किया गया। अजारी  
 के जमाव का अवलोकन किया जिसमें अजारी  
 द्वारा पार्थीगणो के बेचान की रजिस्टर्ड विक्रय विलेख  
 की प्रतियाँ एवं अजारीगण के बेचान के रजिस्टर्ड  
 विक्रयपत्र की प्रतिलिखियाँ पेश की। दस्तावेज  
 के अध्ययन से स्पष्ट है कि पार्थी एवं अजारी  
 दोनों ही विवादित भूमि के सहजोत्तरह  
 पार्थी की प्रार्थना से अजारी से अई  
 एकाज नहीं है। पत्रावली के अवलोकन के  
 पश्चात मा.सालय को यह उतीत होता है कि



8  
 सहायक कलेक्टर एवं जिलाधिकारी (फास्ट ट्रेक)  
 रायपुर

विशाल भूमि में बेनी ही पराजय के हित सम्बन्धित हैं

कारण: प्राचीनी प्राचीन को छत्र आंधार पर लीजर

करते हुए अपाधी को उप आशय की अस्थाई

निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वो खसरा

नं- 10 रुखा 8-07 वीधा में से मौजा

गणेशनगर योजना बनाई में प्राचीन गणेश

खरीद सुका व उल्हाशुका भूखण्डों पर किसी भी

प्रकार की देखभाल कंपनी, बाधा, कठोर

न करें व गवर्न प्राचीन गण को उनके खरीद

सुका भूखण्डों से बेवखल नहीं करें एवं

प्राचीन गण के खरीद सुका उल्हाशुका भूखण्डों

को विशिष्ट भू-भाग पर शक्ति आगे बेचान

नहीं करें। उक्त अध्याई निषेधाज्ञा से

अप्राचीन गण को ताकतला भूलवाक पाबंद

किया जाता है पत्रावली सुमार फंसल हो

कर नम्बर से उस होकर शामिल मूल

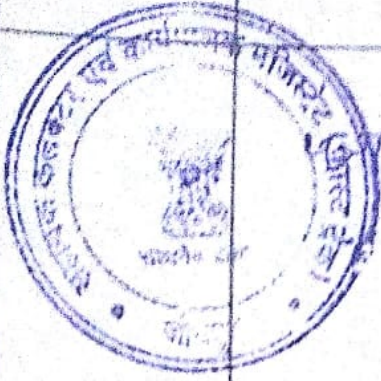
६

सहायक कमिश्नर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट (फास्ट ट्रैक)  
जयपुर



तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इतिशियत्य जज



वली के जाय नत्की हो।

  
रहायक क. मजिस्ट्रेट (आट टंक)  
जांघपुर